

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

14-10-2024

जो बहुत समय के संस्कार होते हैं वही अन्त की स्थिति रहती है। लौकिक रीति से जब कोई शरीर छोड़ते हैं, अगर कोई संस्कार दृढ़ होता है, खान-पान वा पहनने आदि का तो पिछाड़ी समय भी वह संस्कार सामने आता है इसलिए अभी से ये विस्मृति के अथवा हार खाने के संस्कार मिट जाने चाहिए। इसके लिए अपने आप से दृढ़ प्रतिज्ञा करो कि यह संस्कार, यह व्यर्थ संकल्प कभी भी उत्पन्न नहीं होने देंगे। जब ऐसी दृढ़ प्रतिज्ञा करेंगे तब अन्त में विजयी बनेंगे।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

Whatever sanskars you have over a long period of time becomes your final stage. When someone is leaving their body, if they have had strong sanskars such as those of eating, drinking, wearing good clothes, etc., those sanskars come in front of them in their final moments. This is why sanskars of forgetfulness and of being defeated have to be finished from now. For this, make a firm promise to yourself: I will not allow these sanskars and these waste thoughts to emerge. When you make such a firm promise, you will be victorious at the end.